नवभारत
इंदौर, गुरुवार, 23 अप्रैल 2026

उज्जैन बनेगा देश का नया फॉर्मा डेस्टिनेशन, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में नवाचार का शंखनाद

- **मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मेडिकल हब संकल्प को पंख देने उतरा सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय: आयरलैंड की वैज्ञानिक ने सिखाए जीन से दवा बनाने के गुर**
- **सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय में फार्मास्युटिकल कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए की गई अभियान की शुरुआत**

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन को ग्लोबल मेडिकल हब के रूप में स्थापित करने के स्वप्न को साकार करने के लिए सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय ने अपनी पूरी शक्ति झोंक दी है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय ने फार्मास्युटिकल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों को उज्जैन की ओर आकर्षित करने और छात्रों को वैश्विक स्तर के लिए तैयार करने के लिए एक वृहद अभियान का आगाज़ किया है।

विश्वविद्यालय ने उज्जैन को मेडिकल हब बनाए जाने के कार्यों की सहभागिता में कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने फार्मास्युटिकल कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान के माध्यम से अभियान की शुरुआत की। इसके प्रारंभिक चरण में आयरलैंड की फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री में सेल कल्चर साइंटिस्ट डॉ. मीनल लोढ़ा ने जीन से दवा तक की प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण सामने रखा। कुलगुरु प्रो. भारद्वाज के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय निरंतर उद्योगोंन्मुख शिक्षा और नवाचार को प्रोत्साहित करने की श्रृंखला पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उज्जैन को सौगात मेडिकल हब योजना पर विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक नवाचार की शुरुआत की। इसके अंतर्गत इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी तथा एमएसएमई इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (रैम्प एवं एलयूएन की पहल) द्वारा फार्मास्युटिकल कंपनियों के परिप्रेक्ष्य में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने इसकी बारीकियों से अवगत होकर भविष्य को लेकर विशेषज्ञों से संवाद किया।

फार्मासिस्टों के मानकों का महत्व समझाया

अभियान के प्रथम चरण में आयरलैंड की फार्मा इंडस्ट्री से आई सेल कल्चर साइंटिस्ट डॉ. मीनल लोढ़ा ने मुख्य वक्ता के रूप में जीन से दवा तक विषय पर सारगर्भित प्रस्तुति देते हुए बताया कि कैसे एक छोटा सा वैज्ञानिक विचार रिकॉम्बिनेंट डीएनए टेक्नोलॉजी, सेल कल्चर और बायोरिएक्टर जैसी जटिल प्रक्रियाओं से गुजरते हुए जीवन रक्षक औषधि में तब्दील होता है। उन्होंने भावी फार्मासिस्टों को गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस और गुड डॉक्यूमेंटेशन प्रैक्टिस की बारीकियों से अवगत कराते हुए कड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों का महत्व समझाया।

साइंटिस्ट डॉ. लोढ़ा ने बताया कि एक दवा का निर्माण एक छोटे वैज्ञानिक विचार से शुरू होकर विभिन्न चरणों—डिस्कवरी, प्रीक्लिनिकल परीक्षण, क्लिनिकल ट्रायल, नियामक स्वीकृति और बड़े पैमाने पर निर्माण-से गुजरते हुए मरीजों तक पहुंचता है। अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात रसायन वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि इसी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन को मेडिकल हब की सौगात देकर इसे वैश्विक पटल पर एक नई पहचान दी है। मुख्यमंत्री के इस विजन को धरातल पर उतारना हमारा शैक्षणिक दायित्व है। अब समय आ गया है कि हम केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि उद्योग-आधारित नवाचार को अपनाएं। विश्वविद्यालय का यह अभियान न केवल उज्जैन में फार्मा उद्योगों के लिए रेड कार्पेट बिछाएगा, बल्कि हमारे विद्यार्थियों को सीधे अंतरराष्ट्रीय प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी तथा एमएसएमई इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (रैम्प एवं एलयूएन) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में भविष्य की तकनीकों पर भी चर्चा हुई। जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, विशेषज्ञों ने बताया कि कैसे दवा की खोज को तेज और अचूक बना रहा है। कार्यशाला में सुरक्षा मानक लैब सुरक्षा के लिए किट और कंटैमिनेशन कंट्रोल (प्रदूषण नियंत्रण) पर विस्तार से व्यावहारिक जानकारी दी गई।

यह कार्यशाला केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उज्जैन को चिकित्सा जगत का सिरमौर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। विश्वविद्यालय प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले समय में यहां से निकले छात्र न केवल बड़ी कंपनियों में प्लेसमेंट पाएं बल्कि स्वयं के स्टार्टअप्स के माध्यम से मुख्यमंत्री की मेडिकल हब योजना में अपनी सहभागिता दर्ज करें।

इस अवसर पर फार्मेसी संस्थान के विभागाध्यक्ष प्रो. कमलेश दशोरा एवं केमिस्ट्री अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष प्रो. उमा शर्मा ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग के अनुरूप कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। संचालन तनीषा द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. प्रवीण खिरवडकर द्वारा व्यक्त किया गया।

पंचकुंडीय महायज्ञ और 101 जोड़ों के हवन के साथ मनेगा भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव

- **चित्रगुप्त धाम अंकपात में आज होंगे विविध आयोजन, बच्चों और युवाओं के लिए होगी चित्रकला प्रतियोगिता**

उज्जैन। श्री चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्यास ट्रस्ट के तत्वावधान में भगवान श्री चित्रगुप्त जी का प्रकटोत्सव आज गुरुवार को पूर्ण श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जाएगा। इस आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए अंकपात स्थित चित्रगुप्त धाम मंदिर में समाजजनों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अमित श्रीवास्तव ने की।

श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष समाज द्वारा विशेष आयोजन का संकल्प लिया गया है। गंगा सप्तमी की सुबह वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पांच पवित्र नदियों के जल से भगवान चित्रगुप्त जी का जलाभिषेक किया जाएगा।

इसके बाद भगवान को नूतन वस्त्र धारण कराकर कायस्थ परिवारों द्वारा घरों में तैयार किए गए नैवेद्य का भोग लगाया जाएगा। प्रकटोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में विशाल पंचकुंडीय महायज्ञ का आयोजन होगा, जिसमें 101 जोड़े वैदिक विधि-विधान से हवन कर महाआरती करेंगे। महायज्ञ में शामिल होने वाले जोड़ों के लिए पारंपरिक परिधान में नि:शुल्क बैठकर पूजा-अर्चना करने की व्यवस्था की गई है।

बैठक में दिनेश कुमार श्रीवास्तव, युधिष्ठिर कुलश्रेष्ठ, गणेश गौड़, सचिव भरत सक्सेना, अनुभव प्रधान, गोपालकृष्ण निगम, नरेश श्रीवास्तव, प्रियांशु श्रीवास्तव और शिव श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

बच्चों और युवाओं को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य

मंगेश श्रीवास्तव के अनुसार इस अवसर पर बच्चों और युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता 10 से 25 वर्ष आयु वर्ग के लिए होगी। प्रतिभागी भगवान चित्रगुप्त जी का चित्र अपने घर से भी बनाकर ला सकते हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। महायज्ञ 23 अप्रैल को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित होगा, जिसके पश्चात महाआरती व भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

उन्हेल मंदिर परिसर में लगाए पक्षियों के लिए पानी के सकोरे

- **युवाओं ने बढ़ती गर्मी में दिखाई संवेदनशीलता**

उन्हेल। गर्मी को देखते हुए युवाओं ने पक्षियों के लिए पानी पीने के सकोरे लगाए। यह सकोरे बस स्टैंड के समीप मंदिर, गंगाबाग परिसर आदि जगह स्थापित किए गए हैं, ताकि गर्मी के दिनों में बेजुबान पक्षियों को पानी मिल सके। यह सकोरे खाली टीन के डब्बे से बनाए गए हैं।

स्थानीय युवाओं की इस पहल को पर्यावरण और जीव-जंतुओं के संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी से पक्षियों को होने वाली परेशानी को कम करने के लिए यह प्रयास प्रेरणादायक है। वहीं आशीष मेहता ने लोगों से अपील की है कि वे भी अपने आसपास पानी के पात्र रखें और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें। ऐसी छोटी-छोटी कोशिशें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देती हैं।

कदवाली में रोड पर झूल रहे बिजली के तार

- **डीएसपी ने बीच राह पर रूककर लापरवाह कर्मचारियों को ऑन-स्पॉट लगाई फटकार**
- **विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर**

घट्टिया। तहसील क्षेत्र के ग्राम कदवाली से एक बड़ी लापरवाही की तस्वीर सामने आई है, जहां विद्युत सप्लाय के तार बीच राह में जमीन के करीब झूल रहे हैं । यह तस्वीरें हैं कदवाली की, जहां यह लटकते तार किसी बड़े हादसे को दावत दे रहे हैं।

बड़ी बात यह है कि विद्युत विभाग की इस लापरवाही का खुलासा तब हुआ जब खुद डीएसपी भारत सिंह यादव क्षेत्र के भ्रमण पर निकले थे। डीएसपी यादव ने जब मौत रूपी इन खतरनाक तारो को देखा तो डीएसपी भारत सिंह यादव जब यहां से गुजरे, तो उनकी नजर इन खतरनाक तारों पर पड़ी तो डीएसपी ने न सिर्फ तारों को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए हैं। बल्कि जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की बात भी कही। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया बिजली विभाग कितनी जल्दी हरकत में आता है। विभाग की सुस्ती को देखते हुए डीएसपी ने मौके से ही अधिकारियों को फोन किया उन्होंने साफ लहजे में कहा कि यह गंभीर जोखिम है और किसी की जान जा सकती है, इन्हें तुरंत ठीक करवाया जाए।

एक नजर में

अभा मारवाडी महिला सम्मेलन नागदा की बैठक में संगीता खंडेलवाल अध्यक्ष, ज्योति गगरानी सचिव बनीं

नागदा। अभा मारवाड़ी महिला सम्मेलन भाग्यलक्ष्मी नागदा की बैठक का आयोजन बांसुरी होटल में संपन्न हुआ। अध्यक्षता पूर्व अध्यक्ष प्रीति मालपानी ने की। बैठक में आगामी सत्र के लिए सर्वसम्मति से संगीता खंडेलवाल को अध्यक्ष, ज्योति गगरानी को सचिव, ऋषिता खटोड़ को कोषाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर प्रीति मालपानी को प्रदेश में प्रांतीय पर्यावरण प्रकल्प प्रमुख बनाए जाने पर सभी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया एवं नवनियुक्त सभी पदाधिकारियो का स्वागत फूलमाला से किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मंडल के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। साथ ही पर्यावरण प्रकल्प के अंतर्गत जल संरक्षण का महत्व बताते हुए पक्षियों के लिए पानी के सकोरे का वितरण किया। बैठक में सदस्य मीना अग्रवाल, अंजू माहेश्वरी, सरोज राठी, मोना बडाना, बरखा खटोड़, अलका नवाल, सरोज अग्रवाल, चांद शेखावत, मधु जायसवाल, शैलजा आचार्य, नीता अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, शशी मित्तल उपस्थित थे।

चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस इंदौर में 3 जुलाई से

इंदौर. इंदौर को एक और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा आयोजन की मेजबानी मिलने जा रही है. शहर में चौथी ब्रोंकोपुलमोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का आयोजन 3 से 5 जुलाई 2026 तक किया जाएगा. इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस की शुरुआत 3 जुलाई को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप से होगी, जिसमें फेफड़ों की बीमारियों, टीबी नियंत्रण, क्रिटिकल केयर और पल्मोनरी मेडिसिन से जुड़े नवीनतम विषयों पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे. आयोजन का मुख्य सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा. बी डब्ल्यू सी 4 के ऑर्गेनाईज़िंग सेक्रेटरी प्रो. डॉ. रवि डोसी ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस में देश और विदेश के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर हम चिकित्सा क्षेत्र में नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं. प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप विशेष रूप से युवा डॉक्टरों और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी. डॉ. रवि डोसी ने आगे बताया कि टीबी और श्वसन रोग आज भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं. ऐसे समय में वैज्ञानिक ज्ञान, नई तकनीक और बेहतर उपचार पद्धतियों का आदान प्रदान बेहद जरूरी है. यह आयोजन मरीजों तक बेहतर इलाज पहुंचाने में भी मदद करेगा. इस बार कॉन्फ्रेंस का मुख्य आकर्षण प्री - कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप रहेंगी, जिसमें कुल 11 विशेष वर्कशॉप होंगी. इसके सत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सक प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीक, क्लिनिकल मैनेजमेंट और व्यवहारिक प्रशिक्षण की जानकारी देंगे.

अक्षय तृतीया पर 11 टन गोग्रास भेंट

इंदौर. कामधेनु सेवा समिति ने अक्षय तृतीया के पुण्य पावन दिवस पर पंचमुखी हनुमानजी मंदिर गोशाला सुपर कारीडोर टेकरी पर स्थित गोशाला में गोमाता के गोग्रास के लिए 11 टन भूसा भेंट किया. यह जानकारी देते हुए समिति के राजेंद्र असावा व बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि अक्षय तृतीया पर गोभक्तो के सहयोग से गोग्रास गौसेवा का पुनीत कार्य संपन्न हुआ. इसके साथ ही पंचकुईया मोक्षधाम गोशाला, राधाकृष्ण प्रणामी मंदिर गोशाला गौराकुंड, कजली गढ़ गोशाला, श्रीकृष्ण गोशाला फुटी कोठी स्थित गोशालाओं में गोमाता के लिए गेहूं की चापड एवं पौष्टिक सत्तू भेट किया गया. इस अवसर पर राम हुरकट, धर्मेंद्र आगीवाल, अभिजीत झंवर, लक्ष्मीनारायण मेडतवाल का विशेष योगदान रहा. समिति द्वारा गोशालाओं में गोमाता के लिए गोग्रास अभियान निरंतर जारी रहेगा।

शहीद तात्या टोपे की पौत्रवधु का निधन, दी श्रद्धांजलि

इंदौर. अमर शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे की पौत्रवधु श्रीमती भाग्यश्री टोपे का 16 अप्रैल को देवलोक गमन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है. अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सैनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया ने संगठन की ओर से श्रीमती टोपे को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया. इस संबंध में जानकारी उनके पुत्र विपुल टोपे द्वारा दी गई. श्रीमती टोपे को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में सत्यनारायण पटेल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव सहित संगठन के अनिल आजाद, त्रिलोक सिंह सोलंकी, डॉ. सी.सी. मोतियानी, गजेन्द्र मोड, ओमप्रकाश वर्मा, गणेश वर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक शामिल रहे.

अजाक्स ने प्रांतीय महासचिव नियुक्त होने पर किया सम्मान

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित अजाक्स कार्यालय में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष डॉ. आरएल परमार के नेतृत्व में महेश विरोलिया को प्रांतीय महासचिव बनाए जाने पर उनका भव्य स्वागत, अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अजाक्स संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात सम्मान समारोह का शुभारंभ हुआ। संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि अजाक्स के संरक्षक जे. एन. कांसोटिया (पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग, म.प्र. शासन) की सहमति तथा अजाक्स कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एस. एल. सूर्यवंशी और प्रांताध्यक्ष संतोष वर्मा (आईएएस, भोपाल) की अनुशंसा पर समाजसेवी महेश विरोलिया को उज्जैन अजाक्स का प्रांतीय महासचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से संगठन में खुशी की लहर है और कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि वे संगठन को नई दिशा देंगे। कार्यक्रम के दौरान महेश विरोलिया ने संगठन के संरक्षक, कार्यकारी प्रांताध्यक्ष एवं प्रांताध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा और मेहनत से निभाएंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन को आगे बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने अपने स्वागत के लिए सभी का धन्यवाद भी ज्ञापित किया। इस मौके पर शाजापुर अजॉक्स जिला अध्यक्ष बी एल पंवार, प्रदेश सचिव रमेश चंद्र चांहेशिया, संभागिय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी, पूर्व संभागीय सचिव रमेश चंद्र सूर्यवंशी, जिला सचिव श्री प्रवीण गेहलोत, गिरधर मालवीय, रविदास संभागीय प्रदेश अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश मोहने, मध्य प्रदेश बौद्ध महासभा के संभागीय अध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सोलंकी, अविनाश गुजराती, नारायण गुजराती, किशोरी लाल सूर्यवंशी, हीरालाल एरवाल, सुभाष हाडा, अभिभाषक श्री आरसी परिहार, श्री आर एस परमार, धर्मेंद्र सूर्यवंशी, डॉ कनिया मेडा संयुक्त सचिव, डॉ. मोहन निमोले, रानी माझी, राधेश्याम माझी आदि लोग उपस्थित थे।

महू की गोशाला में घुसकर तेंदुए ने दो गायों को घायल और तीन को मार डाला

महू। महू फॉरेस्ट रेंज में यह पहली घटना है, जब किसी तेंदुए ने लगातार 2 बार हमला कर न सिर्फ 2 गायों को गम्भीर रूप से घायल कर दिया, बल्कि 3 गायों को मार डाला.

मामला बड़गोंदा नर्सरी से लगभग 5 किलोमीटर दूर बसी पीपरी पंचायत सीमा के अंतर्गत महू वन विभाग आड़ा पहाड़ वन चौकी के जंगल का है, जहां एक बार नहीं, बल्कि दो बार गोशाला पर हमला कर तेंदुए ने 3 गायों को मार डाला, जबकि 2 को घायल कर दिया. पिछले सप्ताह हुई यह घटना तब उजागर हुई, जब मुआवजे की फाइल बनना शुरू हुई. इस घटना के बाद गोशाला के चारों तरफ तार फेंसिंग कर जाली लगवाकर सुरक्षा का इंतजाम कर दिया गया है। हिंदू संगठन से जुड़े मनोज अशोक पाटीदार ने बताया कि बसी पीपरी में खुली गोशाला गोवंश का वृद्धाश्रम है, क्योंकि यहां उन गायों को रखा जाता है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या फिर जो वृद्ध या असहाय हो जाती हैं। ऐसी असहाय गायों पर तेंदुए ने हमला कर उनकी जान ले ली. पाटीदार ने बताया कि ऐसी ही वृद्ध और असहाय बेसहारा गाय अकसर गो तस्करों के निशाने पर रहती हैं. गो तस्कर इन्हें चोरी छुपे ले जाकर स्लाटर हाउस में बेच देते हैं। इसके बाद इन्हें काटकर गोमांस बेचकर व्यापार करते हैं. इसी वजह से उन्होंने गो वृद्धाश्रम बना रखा है, मगर ऐसी घटना पहली बार हुई है कि तेंदुए ने हमला कर गायों को मार डाला और घायल कर दिया.

मुआवजे की कार्रवाई शुरू कर दी है

इस मामले में वन विभाग के अधिकारियों से बात की तो उन्होंने मंजूर किया तेंदुए ने गोशाला में 2 बार हमला कर 3 गायों को मार डाला। इसके बदले में मुआवजा देने की कार्रवाई शुरू की जा रही है।

लसूड़िया थाना क्षेत्र बना वाहन चोरी का हॉट स्पॉट

- **शहरभर में वारदातें, एक रात में 17 गाड़ियां पार, पुलिस की गश्त पर उठे सवाल**

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में वाहन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं. बीती रात अलग अलग थाना क्षेत्रों से 17 गाड़ियां चोरी हो गईं, जिनमें सबसे ज्यादा 4 वारदातें लसूड़िया थाना क्षेत्र में हुईं. लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से यह इलाका हॉट स्पॉट बनता जा रहा है और पुलिस की गश्त पर सवाल खड़े हो रहे हैं.

जानकारी के मुताबिक लसूड़िया क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से लगातार वाहन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं. पहले तीन तीन गाड़ियां चोरी हुईं और अब एक ही रात में 4 वाहन पार हो गए. इसके अलावा हीरानगर, बाणगंगा और विजयनगर थाना क्षेत्रों से भी दो-दो गाड़ियां चोरी होने की जानकारी सामने आई है. शहर में औसतन रोजाना एक दर्जन से अधिक वाहन चोरी हो रहे हैं, जिससे आम लोग परेशान हैं. पुलिस का कहना है कि इन वारदातों के पीछे संगठित गिरोह सक्रिय हैं. इनमें देवास का कंजर गिरोह और धार टांडा व राजगढ़ क्षेत्र के गिरोह शामिल बताए जा रहे हैं. हाल ही में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए देवास में छापा मारकर 20 वाहन बरामद किए थे, वहीं संयोगितागंज पुलिस ने राजगढ़ गिरोह को पकड़कर 36 गाड़ियां बरामद की थीं. इसके बावजूद चोरी की घटनाएं रुक नहीं रही हैं. मामले में अधिकारियों का कहना है कि वाहन चोरी में शामिल गिरोहों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही वारदातों पर अंकुश लगाया जाएगा.

एक नजर — श्री महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी में वैदिक पद्धति से हुआ सामूहिक उपनयन संस्कार

प्रदेशभर से पहुंचे समाजजन, चल समारोह निकला

उज्जैन। श्री महाराष्ट्र समाज उज्जयिनी द्वारा वैशाख शुक्ल पंचमी एवं श्री आद्य शंकराचार्य जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार 21 अप्रैल को तिलक स्मृति मंदिर, 49 क्षीरसागर स्थित समाज भवन धर्मशाला में नि:शुल्क सामूहिक उपनयन संस्कार का आयोजन किया गया।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुरोहित पंडित विश्वास करहाड़कर एवं पं. दिलीप बेलसरे के आचार्यत्व में वैदिक पद्धति से बटुकों का उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। इस समारोह में शामिल होने के लिए उज्जैन सहित भोपाल, ग्वालियर, रीवा और इंदौर से भी बड़ी संख्या में समाजजन पहुंचे थे।

समाज के सचिव सुशील मुले ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक कपिल यार्दे उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति में यज्ञोपवीत धारण करने वाले बटुकों और उनके माता-पिता का समाज की ओर से स्मृति चिह्न एवं दुपट्टा भेंट कर सम्मान व स्वागत किया गया। संस्कार के पश्चात बटुकों का चल समारोह निकाला गया तथा अंत में सामाजिक प्रतिभोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं और इसके सफल संचालन में समाज के अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, उपाध्यक्ष सदाशिव नायगांवकर, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र मुले, सह-सचिव मिलिंद पन्हालकर एवं यशवंत तिलगुलकर, वनिता मंडल अध्यक्ष सौ. अरुणा जोगलेकर सहित सदस्य प्रदीप जोग, दिलीप जोशी, वसंत आपटे, सौ. सुचित्रा केतकर, संजय दिवटे चंद्रकांत फताले, आलोक मोघे और सुनील गर्गे का विशेष सहयोग रहा। संचालन निलेश नेमावरकर ने किया तथा आभार पंडित विश्वास करहाड़कर ने माना।